This question paper contains 7 printed pages]

5381

M.A. (Final) EXAMINATION, 2017

HINDI LITERATURE

Paper I

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

Time allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

(खण्ड 'अ') [Marks : 20]

__सभी__ प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर __पचास__ शब्दों से अधिक न हो। __सभी__ प्रश्नों के अंक समान हैं।

(खण्ड 'ब') [Marks : 50]

प्रत्येक इकाई से __एक__ प्रश्न चुनते हुए, कुल __पाँच__ प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर __250__ शब्दों से अधिक न हो। __सभी__ प्रश्नों के अंक समान हैं।

(खण्ड 'स') [Marks : 30]

कोई __दो__ प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर __300__ शब्दों से अधिक न हो। __सभी__ प्रश्नों के अंक समान हैं।

P.T.O.

खण्ड 'अ'

इकाई I

1. (क) 'हठि लग्गहु चहुआन त्रिप अंगुलि मुपह फणिंदु' पंक्ति में 'मुपह' का क्या अर्थ है ?

(ख) कयमास वध की सूचना चंद कवि को किससे मिली ?

इकाई II

(ग) कबीर के विरह की दशा को स्पष्ट कीजिए।

(घ) कबीर के स्वभाव की कोई **दो** विशेषतायें बताइए।

इकाई III

(ङ) 'भ्रमरगीत' का मुख्य प्रतिपाद्य विषय क्या है ?

(च) सूरदास मुख्य रूप से किस रस के कवि हैं ?

इकाई IV

(छ) तुलसीदास के गुरु का क्या नाम था ?

(ज) 'जानत हौं चारि फल चारि ही चनक कों' पंक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

इकाई V

(झ) बिहारी किसके दरबारी कवि थे ?

(ञ) घनानंद की कोई **दो** रचनाओं के नाम लिखिए।

खण्ड 'ब'

इकाई I

2. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

सुराग सीस दिठ्ठया

विविच्च रोम रिंथये

मनु पपील रिंगये

हरंति छब्बि जामिनी

कटित्त हीनि कामिनी।

अथवा

3. कयमासवध प्रसंग में अन्तर्निहित कथा की विवेचना कीजिए।

इकाई II

4. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) अम्बर कुंजा कुरलियां, गरजि भरे सब ताल।

जिन ते गोविंद बीछुटे, तिनकी कौन हवाल॥

(ख) चकई बिछुरी रैनि की, आई मिली परभाति।

ते मन बिछुरे राम सौं, ते दिन मिले न राति॥

अथवा

5. 'सुमिरन को अंग' में निहित भाव को उदाहरण सहित समझाइए।

इकाई III

6. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

हम तो नंदघोष की बासी।

नाम गोपाल, जाति कुल गोपहिं, गोप-गोपाल-उपासी॥

गिरिवरधारी, गोधनचारी, वृंदावन-अभिलासी।

राजा नंद, जसोदा रानी, जलधि नदी जमुना सी॥

प्रान हमारे परम मनोहर कमलनयन सुखरासी।

सूरदास प्रभु कहाँ कहाँ लौं अष्ट महासिधि दासी॥

अथवा

7. ''शृंगार रस का ऐसा सुन्दर 'उपालम्भ-काव्य' दूसरा नहीं है।'' उक्त कथन के आलोक में 'भ्रमरगीत' की समीक्षा कीजिए।

इकाई IV

8. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

दिन दिन दूनो देखि दारिद दुकाल दुख,

दुरित दुराज, सुख सुकृत सकोचु है।

माँगे पैंत पावत पचारि पातकी प्रचंड,

काल की करालता भले को होत पोचु है।

आपने तौ एक अवलंब अंग डिंभ ज्यों,

समर्थ सीतानाथ सब संकट-बिमोचु है।

'तुलसी' की साहसी सराहिये कृपालु, राम!

नाम के भरोसे परिनामु को निसोचु है॥

अथवा

9. तुलसी के युग बोध को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

इकाई V

10. 'कवि बिहारी रीतिसिद्ध कवि हैं।' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

11. घनानंद के काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

खण्ड 'स'

इकाई I

12. रासो साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए।

इकाई II

13. कबीर की सामाजिक चेतना की भावना को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

इकाई III

14. सूरदास के काव्य के शैल्पिक वैशिष्ट्य पर उदाहरण सहित टिप्पणी लिखिए।

इकाई IV

15. 'कवितावली' के उत्तरकांड में तुलसी दीन होते हुए भी निर्भीक हैं'. उनकी निर्भीकता व्यंजक उदाहरण देकर कारण भी लिखिए।

इकाई V

16. बिहारी की भाषा की सामासिकता का विवेचन उदाहरण देकर कीजिए।